ध्येयIAS®
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

10 October 2024

अमेजन बेसिन में 122 वर्षों का सबसे गंभीर सूखा

संदर्भ: हाल ही में दुनिया का सबसे बड़ा जलग्रहण क्षेत्र अमेजन बेसिन 122 वर्षों में सबसे गंभीर सूखे के संकट का सामना कर रहा है। यह गंभीर स्थिति जलवायु परिवर्तन के विभिन्न कारकों के संयोजन का परिणाम है, जिसके संभावित पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक प्रभाव वैश्विक स्तर पर विस्तृत हैं।

भौगोलिक महत्व:

- **आकार:** अमेजन बेसिन 6.87 मिलियन वर्ग किमी में फैला हुआ है, जो वैश्विक मीठे पानी का 16-18% हिस्सा महासागरों में प्रवाहित करता है।
- **जैव विविधता:** यह क्षेत्र वैश्विक जैव विविधता का लगभग 10% समेटे हुए है, जो जलवायु और जैव-रासायनिक चक्रों के संतुलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **कार्बन भंडारण:** अमेजन बेसिन में लगभग 150-200 बिलियन टन कार्बन इसके बायोमास और मिट्टी में संग्रहीत है, जो वैश्विक कार्बन संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- **बाढ़ के मैदान:** बेसिन का लगभग 750,000 वर्ग किमी क्षेत्र बाढ़ के मैदानों से युक्त है जिसमें पोषक तत्वों (वेरजिया) का समावेश पाया जाता हैं, जो स्वदेशी आजीविका और विविध पारिस्थितिकी तंत्रों के लिए आवश्यक हैं।

सूखे के प्रमुख कारण:

अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ):

- अल नीनो घटना, विशेष रूप से पूर्वी प्रशांत अल नीनो, उत्तरी दक्षिण अमेरिका में शुष्क वायुराशियों को नीचे उतारकर अमेजन बेसिन में वर्षा को रोक देती है।
- इसके परिणामस्वरूप जून से वर्षा कम हो जाती है, जिससे सूखा पड़ जाता है, जो दिसंबर से फरवरी के बीच चरम पर होता है।

उष्णकटिबंधीय उत्तर अटलांटिक (टीएनए) वार्मिंग:

- टीएनए के गर्म होने से इंटरट्रॉपिकल कन्वर्जेंस जोन (आईटीसीजेड) उत्तर की ओर स्थानांतरित हो जाता है, जिससे अमेजन बेसिन में नमी का प्रवाह कम हो जाता है।
- इससे सूखा और भी प्रभावी हो जाता है, विशेषकर दक्षिणी और दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्रों में।

अटलांटिक मल्टीडेकेडल ऑसिलेशन (एएमओ):

- ए.एम.ओ., जो समुद्री सतह के तापमान में चक्रीय परिवर्तनों से चिह्नित है, अपने गर्म चरण के दौरान सूखे की स्थिति को और भी बदतर बना देता है, जो 1990 के दशक के मध्य से जारी है।

वनों की कटाई और आग:

- वनों की कटाई से वाष्पोत्सर्जन कम हो जाता है और वायुमंडलीय तापमान बढ़ जाता है, जबकि आग से वायु प्रदूषण बढ़ता है।
- यह प्रक्रिया चक्रीय बन जाती है, जिससे सूखे की स्थिति और अधिक खराब हो जाती है।

जैव विविधता और समुदायों पर प्रभाव:

- **स्वदेशी और पारंपरिक आबादी:** कई समुदाय पानी, भोजन और परिवहन के लिए नदियों और बाढ़ के मैदानों पर निर्भर हैं। अत्यधिक कम जल स्तर ने इन आबादियों को अलग-थलग कर दिया है, जिससे आवश्यक सेवाओं तक पहुँचना मुश्किल हो गया है।
- **कृषि एवं पशुधन:** अत्यधिक गर्मी और पानी की कमी के कारण फसलें बर्बाद होना और पशुओं की मृत्यु होना।
- **जलीय जीवन:** झीलों में पानी के गर्म तापमान के कारण मछलियों और जलीय स्तनधारियों जैसे कि मैनेटी और नदी डॉल्फिन की बड़े पैमाने पर मृत्यु हो गई है।
- **आर्थिक नुकसान:** वाणिज्य के लिए महत्वपूर्ण नदी परिवहन, कम जल स्तर के कारण बुरी तरह बाधित हो गया है, जिससे माल और सामग्री का परिवहन प्रभावित हो रहा है।

भारत में वनों की कटाई और जलवायु पहल:

- भारत का कुल वन क्षेत्र लगभग 713,789 वर्ग किलोमीटर है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 21.71% है, जैसा कि भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2021 में उल्लेखित किया गया है।
- इन महत्वपूर्ण आंकड़ों के बावजूद, कुछ क्षेत्र, विशेषकर पूर्वोत्तर और पश्चिमी घाट, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं एवं कृषि विस्तार के कारण

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

वनों की कटाई के गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं।

- जल प्रबंधन की चुनौतियाँ विशेष रूप से राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में अधिक गंभीर हो गई हैं।
- भारत ने 2008 में जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) की शुरुआत की, जिसमें सतत विकास को प्रोत्साहित करते हुए जलवायु परिवर्तन से निपटने के उद्देश्य से आठ मिशनों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है।
- COP28 में वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी पुन: पुष्टि की गई है।

भौतिकी नोबेल पुरस्कार 2024

संदर्भ: 2024 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार जॉन जे. हॉपफील्ड और जेफ्री ई. हिंटन को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क (Artificial Neural Networks - ANNs) के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए प्रदान किया गया है। उनके शोध ने मशीन लर्निंग की तकनीकों को एक नई दिशा दी है, जोकि वर्तमान समय के एआई अनुप्रयोगों का आधार हैं।

हॉपफील्ड का योगदान:

- जॉन जे. हॉपफील्ड एक प्रख्यात अमेरिकी सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी हैं और वह कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क के क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने 'हॉपफील्ड नेटवर्क' की अवधारणा विकसित की जो सूचना के भंडारण और पुन:स्मरण (Memory Recall) की प्रक्रिया को सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया गया है।
- उनके इस नवाचारी कार्य ने यह सिद्ध किया कि कैसे आपस में जुड़े हुए नोड्स का एक नेटवर्क डेटा को प्रभावी ढंग से संग्रहीत कर सकता है और आवश्यकता पड़ने पर उसे पुन: प्राप्त कर सकता है। हॉपफील्ड के इस शोध ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया और तंत्रिका नेटवर्क आधारित कंप्यूटिंग की क्षमताओं को विस्तारित किया।

हिंटन का योगदान:

- ब्रिटिश-कनाडाई कंप्यूटर वैज्ञानिक जेफ्री ई. हिंटन ने हॉपफील्ड के आधारभूत कार्य पर काम करते हुए बोल्ट्ज़मैन मशीन बनाई। इस विकास ने मशीन लर्निंग की प्रमुख अवधारणाओं को पेश किया, जिसमें दिखाया गया कि कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क डेटा इनपुट से कैसे सीख सकते हैं। हिंटन के शोध ने आधुनिक एआई सिस्टम के विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और मशीन लर्निंग के माध्यम से तकनीकी प्रगति को तेज किया है।

कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क के बारे में:

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जिसे आज के संदर्भ में व्यापक रूप से समझा जाता हैं, का मुख्य आधार कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क है। कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क में परस्पर जुड़े हुए नोड्स होते हैं जिन्हें जानवरों के मस्तिष्क के न्यूरॉन्स के नेटवर्क की तरह काम करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- प्रत्येक नोड निश्चित नियमों के अनुसार इनपुट डेटा को प्रोसेस करता है, इससे आउटपुट प्राप्त होता है। नोड्स की कई परतों को जोड़कर कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क डीप लर्निंग क्षमताओं को प्राप्त कर सकता है, जिससे मशीनें कुछ कार्यों में मानवीय क्षमताओं से आगे निकल सकती हैं।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का विकास पारंपरिक कंप्यूटिंग से जटिल पैटर्न पहचानने में सक्षम उन्नत प्रणालियों की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है।
- हॉपफील्ड और हिंटन द्वारा किए गए कार्य ने न केवल कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क (एएनएन) के सिद्धांतों को स्थापित किया बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि सांख्यिकीय भौतिकी, तंत्रिका जीव विज्ञान और संज्ञानात्मक मनोविज्ञान जैसे क्षेत्रों की अवधारणाओं को कम्प्यूटेशनल ढांचे में प्रभावी ढंग से कैसे एकीकृत किया जा सकता है।

कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क के अनुप्रयोग:

- **छवि पहचान:** स्वचालित कारों और चिकित्सा इमेजिंग के लिए महत्वपूर्ण।
- **प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी):** भाषा अनुवाद और भावना विश्लेषण जैसे कार्यों को बढ़ाना।
- **वाक् पहचान:** आभासी सहायकों और आवाज नियंत्रित उपकरणों में उपयोग किया जाता है।
- **सुझाव प्रणालियाँ:** व्यक्तिगत सुझावों के लिए नेटफ्लिक्स और अमेजन जैसे प्लेटफार्मों द्वारा नियोजित।
- **वित्तीय पूर्वानुमान:** बाजार के रुझान और स्टॉक की कीमतों का पूर्वानुमान लगाने में सहायता करना।
- **चिकित्सा निदान:** छवि विश्लेषण के माध्यम से रोग निदान में

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सहायता करना।

- **रोबोटिक्स:** वस्तु पहचान और गति नियोजन को सुविधाजनक बनाना।
- **धोखाधड़ी का पता लगाना:** विभिन्न क्षेत्रों में धोखाधड़ी वाले लेनदेन की पहचान करना।

प्रगति और खतरे:

- हॉपफील्ड और हिंटन के योगदान ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में एक नई क्रांति का सूत्रपात किया है, जिसके परिणामस्वरूप छवि पहचान, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, और स्वायत्त निर्णय लेने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।
- हालांकि उनके कार्य ने उन्नत एआई प्रणालियों के निहितार्थों को लेकर चिंताएँ भी उत्पन्न की हैं। हिंटन ने एआई के विकास की तीव्र गति और इसके संभावित खतरों के प्रति अपनी चिंताओं को व्यक्त किया है, जिससे एआई के प्रभावी नियोजन के लिए नैतिक विचारों और सुरक्षा उपायों पर चर्चा को प्रोत्साहन मिला है।

'फ्री टू थिंक 2024' रिपोर्ट

संदर्भ: स्कॉलर्स एट रिस्क (एसएआर) अकादमिक स्वतंत्रता निगरानी परियोजना द्वारा प्रकाशित 'फ्री टू थिंक 2024' वार्षिक रिपोर्ट से पता चला है कि पिछले एक दशक में भारत में शैक्षणिक स्वतंत्रता में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

- स्कॉलर्स एट रिस्क (एसएआर) एक वैश्विक नेटवर्क है, जिसमें 665 विश्वविद्यालय शामिल हैं। इस नेटवर्क में कोलंबिया विश्वविद्यालय और ड्यूक विश्वविद्यालय जैसे उल्लेखनीय संस्थान भी सम्मिलित हैं। इस संगठन ने 1 जुलाई 2023 से 30 जून 2024 के बीच उच्च शिक्षा समुदायों पर हुए हमलों का दस्तावेजीकरण किया है। इस अवधि के दौरान 51 देशों में कुल 391 हमलों को दर्ज किया गया है।

रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष:

- रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का शैक्षणिक स्वतंत्रता स्कोर 2013 में 0.6 अंक से गिरकर 2023 में मात्र 0.2 अंक रह गया है। यह गिरावट भारत को शैक्षणिक स्वतंत्रता सूचकांक की 'पूरी तरह से प्रतिबंधित' श्रेणी में रखती है, जो 1940 के दशक के मध्य के बाद से इसका सबसे कम स्कोर है।
- रिपोर्ट के अनुसार, इस गिरावट के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जिम्मेदार ठहराया गया है। भाजपा द्वारा विश्वविद्यालयों पर राजनीतिक नियंत्रण स्थापित करने और हिंदू राष्ट्रवादी एजेंडे को आगे बढ़ाने के प्रयासों के कारण छात्र विरोध प्रदर्शनों और शैक्षणिक अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध बढ़े हैं।

राज्य और केंद्र सरकारों के बीच तनाव:

- रिपोर्टिंग अवधि में उच्च शिक्षा पर नियंत्रण के संबंध में केंद्र सरकार और विभिन्न राज्य सरकारों के बीच चल रहे संघर्षों पर प्रकाश डाला गया।
- एक उल्लेखनीय उदाहरण केरल में देखने को मिला, जहां केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और राज्य सरकार के बीच टकराव हुआ। यह टकराव राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति पद से राज्यपाल को हटाने के उद्देश्य से लाए गए विधायी संशोधन को लेकर हुआ।
- उच्च शिक्षा पर नियंत्रण को लेकर इसी प्रकार के सत्ता संघर्ष तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्यों में भी देखे गए, जो देश में व्यापक राजनीतिक तनाव को दर्शाते हैं।

अकादमिक इस्तीफे और प्रतिबंध:

- रिपोर्ट में केंद्र सरकार के दबाव के परिणामस्वरूप अकादमिक जगत पर पड़े प्रभावों को रेखांकित किया गया है। इस संदर्भ में अशोका विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर सब्यसाची दास का इस्तीफा एक प्रमुख उदाहरण है। प्रो. दास ने 2019 के लोकसभा चुनावों में राजनीतिक हेरफेर का संकेत देने वाला एक शोध पत्र प्रस्तुत किया था, जिसके बाद उन्हें भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा तीव्र आलोचना का सामना करना पड़ा। इस प्रकरण ने शैक्षणिक स्वतंत्रता और संस्थागत निष्ठा पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं, जोकि भारत में उच्च शिक्षा के स्वतंत्र माहौल को प्रभावित करने वाली चुनौतियों की ओर इंगित करते हैं।

पॉवर पैक्ड न्यूज

70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

- हाल ही में 8 अक्टूबर, 2024 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान के लिए विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किये।
- दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को उनके उल्लेखनीय करियर के लिए प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- ऋषभ शेट्टी को कंतारा में उनके प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला, जबकि नित्या मेनन और मानसी पारेख ने थिरुचित्रम्बलम और कच्छ एक्सप्रेस के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का खिताब साझा किया।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

वर्ग	विजेता	फिल्म
सर्वश्रेष्ठ फिल्म	आट्टम	
सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म	गुलमोहर	
सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक (गीत)	प्रीतम	ब्रह्मास्त्र
सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक	ए.आर. रहमान	पोंनियिन सेल्वन भाग-1
सर्वश्रेष्ठ पुरुष गायक	अरिजीत सिंह	केसरिया (ब्रह्मास्त्र से)
सर्वश्रेष्ठ निर्देशक	सूरज बड़जात्या	ऊँचाई
सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार	श्रीपथ	मलिकप्पुरम (मलयालम)

भारतीय नौसेना को निर्देशक Nirdeshak (Yard 3026) पोत की डिलीवरी

- हाल ही में भारतीय नौसेना को निर्देशक Nirdeshak (Yard 3026) पोत की डिलीवरी की गई, जो चार सर्वेक्षण पोतों में से दूसरा है।
- यह पोत भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन और GRSE, कोलकाता द्वारा निर्मित किया गया है। इस पोत का मुख्य उद्देश्य तटीय और गहरे जल में हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करना है, इसके अलावा यह समुद्री और भूभौतिकीय डेटा एकत्र करने में भी सक्षम है।
- 3,400 टन वजनी और 110 मीटर लंबाई वाले इस पोत में अत्याधुनिक उपकरण जैसे डेटा अधिग्रहण और प्रसंस्करण प्रणाली, स्वायत्त पानी के नीचे वाहन, डिजिटल साइड स्कैन सोनार आदि लगे हैं।
- इस पोत की गति 18 नॉट्स से अधिक है। Nirdeshak का 80% से अधिक निर्माण स्वदेशी सामग्री से हुआ है, जो श्आत्मनिर्भर भारतश के प्रति भारतीय नौसेना और सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दीपा करमाकर ने लिया संन्यास

- हाल ही में भारत की मशहूर जिमनास्ट, दीपा करमाकर ने सोशल मीडिया पर संन्यास लेने की घोषणा की। दीपा करमाकर त्रिपुरा के अगरतला की रहने वाली है। 2016 के रियो ओलंपिक में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया था और 2015 के कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य पदक जीता था।
- दीपा दुनिया की उन चुनिंदा जिमनास्टों में से एक हैं जिन्होंने प्रसिद्ध प्रोडुनोवा वॉल्ट को सफलतापूर्वक किया है।
- दीपा ने 2014 में ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के वॉल्ट फाइनल में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं।
- ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली दीपा पहली भारतीय महिला जिमनास्ट हैं।
- उन्हें 2017 में पद्म श्री से, 2016 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार और 2015 में अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

सेकंड हानले डार्क स्काई रिजर्व स्टार पार्टी

- हाल ही में भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान द्वारा लद्दाख, भारत में सेकंड हानले डार्क स्काई रिजर्व स्टार पार्टी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 30 खगोलविद शामिल हुए, जो रात के अद्भुत आकाश का अवलोकन करने और उसकी तस्वीरें लेने के लिए एकत्र हुए थे।
- समुद्र तल से 4,300 मीटर ऊपर स्थित, हानले डार्क स्काई रिजर्व भारत का पहला नामित डार्क स्काई रिजर्व है, जो भारतीय खगोलीय वेधशाला के आसपास केंद्रित है। हानले डार्क स्काई रिजर्व में पहली स्टार पार्टी 12-15 अक्टूबर, 2023 को आयोजित की गई थी।
- हानले डार्क स्काई रिजर्व की प्रमुख विशेषताओं में न्यूनतम प्रकाश प्रदूषण शामिल है, जो आकस्मिक अवलोकन और वैज्ञानिक अनुसंधान दोनों के लिए आवश्यक खगोलीय पिंडों के स्पष्ट दृश्य प्रदान करता है। उच्च ऊँचाई और शुष्क जलवायु भी खगोल फोटोग्राफी के लिए आदर्श स्थितियाँ बनाती हैं, जिससे प्रतिभागी रात के आकाश की लुभावनी छवियों को कैप्चर करने में सक्षम होते हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- इसके अतिरिक्त, यह रिजर्व खगोल पर्यटन को बढ़ावा देता है, जो तारों को देखने में रुचि रखने वाले आगंतुकों को आकर्षित करता है और क्षेत्र के सांस्कृतिक महत्व को संरक्षित करते हुए स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान देता है।

डार्क-स्काई रिजर्व:

- डार्क-स्काई रिजर्व एक ऐसा क्षेत्र है, जो अक्सर पार्क या वेधशाला के आसपास स्थित होता है, जिसे प्रकाश प्रदूषण को सीमित या कम करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये रिजर्व प्राकृतिक रूप से अंधेरे रात के आसमान को बनाए रखने और उसकी रक्षा करने में मदद करते हैं, जिससे तारों को देखने और खगोलीय अवलोकन के लिए आदर्श स्थितियाँ बनती हैं। कृत्रिम प्रकाश व्यवस्था को प्रतिबंधित करके, वे आकाशीय पिंडों की दृश्यता को बढ़ाते हैं और वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य दोनों के लिए अंधेरे आसमान के महत्व के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देते हैं।

भारतीय उद्योगपति और टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष रतन टाटा का निधन

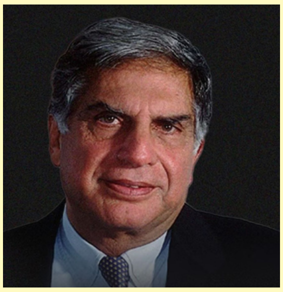

- भारतीय उद्योगपति और टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष रतन टाटा का 9 अक्टूबर 2024 को मुंबई में 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। ब्रिच कैंडी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था।
- रतन टाटा, जो अपने दूरदर्शी नेतृत्व के लिए जाने जाते थे, ने 1991 से 2012 तक टाटा समूह को एक भारतीय कंपनी से एक वैश्विक संस्था में बदला। उनके नेतृत्व में टाटा समूह की आय $5.7 बिलियन से बढ़कर लगभग $100 बिलियन तक हो गई।
- उन्होंने टाटा टी द्वारा टेटली और टाटा मोटर्स द्वारा जगुआर लैंड रोवर की खरीद जैसे महत्वपूर्ण अधिग्रहणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। व्यवसाय के अलावा, वे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और जनकल्याण जैसे सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित थे, जिसे उन्होंने टाटा ट्रस्ट्स के माध्यम से आगे बढ़ाया।

UPSC (IAS)
GENERAL STUDIES
16th OCT 2024
ENGLISH MEDIUM
TIME: 8:30 AM | 6:00 PM
Admission Open
MODE : OFFLINE & ONLINE
BOOK YOUR SLOT
A 12 Sector J Aliganj, Lucknow 9506256789
OTHER CENTER : CP1, Jeevan Plaza, Gomti Nagar, Lucknow 7234000501